भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 457
21 07.2026.को उत्तर के लिए नियत

पंजाब में भारी औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का विकास

457. **श्री चरनजीत सिंह चन्नीः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या पंजाब राज्य को वाहनों के कलपुर्जे, रक्षा विनिर्माण और अन्य भारी उद्योगों के लिए एक संभावित स्थल के रूप में चिहिनत किया गया है;
(ख) यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में प्राप्त और स्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या राज्य में कोई औद्योगिक गलियारा या क्लस्टर स्थापित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) इन पहलों से अपेक्षित रोजगार सृजन के संबंध में ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) एवं (ख): पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करने तथा विनिर्माण अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि संबंधी स्कीम- चरण-II" अधिसूचित की गई है। यह एक अखिल भारतीय मांग-आधारित स्कीम है। स्कीम के चरण-II के अंतर्गत लुधियाना स्थित ऑटो पार्ट्स एवं हैंड टूल्स प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएएचटी) में विद्यमान परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा के उन्नयन हेतु एक परियोजना स्वीकृत की गई है, जिससे वर्तमान परीक्षण एवं प्रमाणन अवसंरचना को सुदृढ़ किया जा सके।

(ग): उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग से प्राप्त सूचनानुसार, भारत सरकार ने अगस्त, 2024 में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (एकेआईसी) के अंतर्गत पंजाब राज्य के राजपुरा-पटियाला में 1,099 एकड़ क्षेत्रफल में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) के विकास को अनुमोदित किया है। परियोजना का विवरण निम्नानुसार है:-

- परियोजना के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी), एनआईसीडीसी पंजाब इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, का निगमन दिनांक 30 दिसंबर, 2022 को किया गया।
- एसपीवी द्वारा नए शहरों हेतु कार्यक्रम प्रबंधक तथा इंजीनियरिंग (पीएमएनसी), प्रापण एवं निर्माण ठेकेदार की नियुक्ति की जा चुकी है। (ईपीसी)
- परियोजना के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य एवं पेय पदार्थ, निर्मित धातु उत्पाद, रसायन, औषधि, वस्त्र एवं परिधान, रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद, मशीनरी एवं उपकरण तथा लॉजिस्टिक्स को प्रमुख फोकस क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया है।

(घ): अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (एकेआईसी) के अंतर्गत राजपुरा-पटियाला स्थित एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार, इस परियोजना में लगभग 64,200 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

*****